Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. **जैकोबिन दल का सम्बन्ध था —**

(अ) जापान से (ब) फ्रांस से

(स) भारत से (द) इंग्लैण्ड से

2. **1789 ई. में फ्रांस में राष्ट्रवाद की प्रथम अभिव्यक्ति का क्या परिणाम हुआ—**

(अ) निरंकुश राजतन्त्र का प्रारम्भ (ब) फ्रांस की क्रान्ति

(स) नेपोलियन का उदय (द) जर्मनी का एकीकरण

3. **फ्रैंकफर्ट संसद निम्नलिखित में से किस तिथि को हुई थी?**

(अ) 20 मई, 1848 (ब) 15 मई, 1848

(स) 10 मई, 1848 (द) 18 मई, 1848

4. **नेपोलियन द्वारा कितने राज्यों का महासंघ स्थापित किया गया था?**

(अ) 49 राज्यों का ब) 30 राज्यों का

(स) 42 राज्यों का (द) 39 राज्यों का

5. **फ्रांसीसी क्रांति किस वर्ष हुई?**

(अ) 1889 (ब) 1689

(स) 1589 (द) 1789

6. **किस वर्ष में अंग्रेजी संसद ने राजशाही सत्ता को जब्त कर लिया था?**

(अ) 1688 में (ब) 1670 में

(स) 1668 में (द) 1664 में

7. **एक नारी जो जर्मन राष्ट्र का रूपक बन गई —**

(अ) हेलेन (ब) मारिआन

(स) जर्मेनिया (द) क्लोडिया

8. **कुस्तुनतुनिया की संधि कब हुई?**

(अ) 1830 में (ब) 1832 में

(स) 1771 में (द) 1775 में

9. **विचारों की एक ऐसी प्रणाली जो किसी निश्चित सामाजिक व राजनीतिक दृष्टिकोण को प्रदर्शित करती है—**

(अ) दर्शनशास्त्र (ब) समाजशास्त्र

(स) लोकतंत्र (द) आदर्शवाद

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

10. मेत्सिनी को हमारी सामाजिक व्यवस्था का सबसे खतरनाक दुश्मन किसके द्वारा बताया गया था?

(अ) मैटरनिख (ब) नेपोलियन

(स) लुई XVI (द) बिस्मार्क

रिक्त स्थान :

11. जनमत-संग्रह शब्द से क्या तात्पर्य _____ ।

12. गैरीबाल्डी का संबंध _____ से था।

सत्य / असत्य

13. जॉलवेराइन की स्थापना 1794 में की गई।

14. नेपोलियन का सम्बन्ध फ्रांस से था।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. वियना कांग्रेस की मेजबानी किसने की थी?

16. कौन सी विश्वविख्यात घटना को राष्ट्रवाद की पहली स्पष्ट अभिव्यक्ति माना जाता है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. जर्मनी का एकीकरण कब और कैसे हुआ?

18. रेनन के अनुसार एक राष्ट्र की मुख्य विशेषताएँ क्या होती हैं?

निबंधात्मक प्रश्न

19. इटली के एकीकरण की प्रक्रिया को संक्षेप में लिखिए।

20. ज्युसेपे मेत्सिनी पर टिप्पणी लिखें।

HOTS

21. "नेपोलियन द्वारा लाए गए प्रशासनिक सुधारों ने यूरोप में राष्ट्रवाद की भावना को कैसे प्रभावित किया? क्या आप मानते हैं कि ये सुधार राष्ट्रवाद के उदय के लिए जिम्मेदार थे, या इनसे विरोध भी उत्पन्न हुआ? अपने उत्तर में तर्क सहित दोनों पक्षों का उल्लेख करें।"

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

अध्याय-1 | यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय

Worksheet-1
उत्तरमाला

1. (ब) फ्रांस से।
2. (ब) फ्रांस की क्रान्ति।
3. (द) 18 मई 1848 को 831 निर्वाचित प्रतिनिधियों ने फ्रैंकफर्ट संसद में स्थान ग्रहण किया। यह संसद सेंट पॉल चर्च में आयोजित हुई।
4. (द) नेपोलियन द्वारा 39 राज्यों का जर्मन महासंघ स्थापित किया गया। इसके साथ ही नेपोलियन ने अपनी विजयों द्वारा विभिन्न जर्मन राज्यों को राईन-संघ के अंतर्गत संगठित किया।
5. (द) फ्रांसीसी क्रांति 1789 में हुई। राष्ट्रवाद की शुरुआत 1789 फ्रांस की क्रांति के साथ हुई थी। फ्रांसीसी क्रांति के परिणामस्वरूप अनेक राजनीतिक और संवैधानिक परिवर्तन हुए जिससे प्रभुसत्ता राजतंत्र से निकलकर नागरिकों में हस्तांतरित हो गयी।
6. (अ) अंग्रेजी संसद ने राजशाही सत्ता को 1688 में जब्त कर लिया था। इसके चलते ब्रिटेन की संसद ने यह प्रस्ताव पारित कर दिया कि यूरोप के सभी व्यापारियों को भारत में व्यापार करने का अधिकार है।
7. (स) जर्मेनिया, जर्मन राष्ट्र का रूपक बन गई। जो कि बलूत वृक्ष के पत्ते का मुकुट पहनती है क्योंकि जर्मन बलूत वीरता (बहादुरी) का प्रतीक है।
8. (ब) कुस्तुनतुनिया की संधि सन 1832 में संपन्न हुई थी। जिसने यूनान को एक स्वतंत्र राष्ट्र की मान्यता दी।
9. (द) आदर्शवाद उन विचारों और मान्यताओं की समुचित विचारधारा है जिसके अनुसार इस संसार की सभी वस्तुएँ विचार एवं चेतना की अभिव्यक्ति है।
10. (अ) मैटरनिख मेत्सिनी ने इटली के एकीकरण में मुख्य भूमिका निभायी। इसने राजतंत्र का विरोध कर गणतंत्र का समर्थन कर रूढ़िवादियों को हरा दिया।
मैटरनिख ने मेत्सिनी को हमारी सामाजिक व्यवस्था का सबसे खतरनाक दुश्मन बताया।
11. **रिक्त स्थान :** एक प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली
12. **रिक्त स्थान :** इटली के एकीकरण से
13. **सत्य / असत्य :** असत्य
14. **सत्य / असत्य :** सत्य
15. मैटरनिख 1815 की वियना संधि की अध्यक्षता ऑस्ट्रेलिया के चांसलर मैटरनिख ने की।
16. फ्रांसीसी क्रांति को राष्ट्रवाद की पहली स्पष्ट अभिव्यक्ति माना जाता है।
17. बिस्मार्क जर्मनी के महान पुत्रों में से एक था। जर्मनी के एकीकरण में बिस्मार्क का महत्त्वपूर्ण योगदान था। इसे जर्मनी के एकीकरण का जनक भी कहा जाता है। उसने प्रशा के प्रधानमन्त्री के रूप में जर्मनी का एकीकरण किया। बिस्मार्क ने 'रक्त और लौह' की नीति अपनाकर सर्वप्रथम श्लेसविग तथा होलस्टीन के प्रशासन पर नियन्त्रण स्थापित किया, फिर ऑस्ट्रिया को सेडोवा के युद्ध (सन् 1866) में पराजित करके उसने जर्मन राज्यों को उसके प्रभाव से मुक्त करा लिया। तत्पश्चात् बिस्मार्क ने सीडान के युद्ध में फ्रांस के सम्राट नेपोलियन तृतीय को पराजित करके जर्मनी का एकीकरण पूर्ण कर दिया। 18 जनवरी, 1871 को प्रशा सम्राट विलियम प्रथम महान को जर्मन साम्राज्य का प्रथम सम्राट घोषित किया गया। सन् 1871 में बिस्मार्क जर्मन साम्राज्य का प्रधानमन्त्री बना। सन् 1890 में जर्मन सम्राट कैसर विलियम द्वितीय से मतभेद हो जाने के कारण बिस्मार्क ने त्यागपत्र दे दिया। 31 जुलाई, 1898 को 83 वर्ष की आयु में बिस्मार्क की मृत्यु हो गई।
18. फ्रांसीसी दार्शनिक रेनन ने सॉबान विश्वविद्यालय में अपनी राष्ट्र की समझ को प्रस्तुत किया। जिसका शीर्षक था ("Qu est ce qu "une nation राष्ट्र क्या है?)
इस निबंध में रेनन ने इस विचार की आलोचना की कि राष्ट्र समान भाषा, नस्ल, धर्म, या क्षेत्र से बनता है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

रेनन के मतानुसार एक राष्ट्र की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं —

i. राष्ट्र लंबे प्रयासो, त्याग और निष्ठा का चरम बिंदु होता है।
ii. राष्ट्र का आधार वीरता से भरा अतीत. महापुरुषों के नाम तथा प्राचीन गौरव होता है।
iii. राष्ट्र की किसी देश के विलय अथवा उस पर उसकी इच्छा के विरुद्ध अधिकार किए रहने की कोई इच्छा नहीं होती।
iv. राष्ट्र एक बड़ी तथा व्यापक एकता है जिसका अस्तत्व प्रतिदिन होने वाले जनमत संग्रह में निहित होता है।

19. इटली के एकीकरण का इतिहास निम्नलिखित सोपानों में विभाजित किया जा सकता है:

i. **प्रथम सोपान -** वियना कांग्रेस के निर्णयों के अनुसार, इटली केवल एक भौगोलिक इकाई बन गया। छोटे-छोटे राज्यों की जनता एकता और स्वतंत्रता की आकांक्षा रखती थी, लेकिन निरंकुश शासक सत्ता छोड़ने को तैयार नहीं थे। इस स्थिति में देशभक्तों ने राष्ट्रीय एकीकरण का आंदोलन शुरू किया। कार्बोनरी संस्था के सदस्यों ने प्रयास किए, लेकिन 1848 तक उन्हें सफलता नहीं मिली। मेत्सिनी ने विद्रोहों को सफल बनाने का प्रयास किया, लेकिन उसे भी अपने लक्ष्य में सफलता नहीं मिली।

ii. **द्वितीय सोपान -** गैरीबाल्डी और कावूर ने इस चरण में महत्वपूर्ण प्रयास किए। कावूर ने यह समझा कि केवल उत्साह से इटली स्वतंत्रता नहीं प्राप्त कर सकता, इसलिए उसने मित्रों की खोज की और कूटनीति का सहारा लिया। कावूर ने सार्डीनिया और पीडमाण्ट को सुधारों से शक्तिशाली बना दिया।

क्रीमिया युद्ध में भाग लेकर फ्रांस और इंग्लैंड की सहानुभूति प्राप्त की और 20 जुलाई, 1858 को नेपोलियन तृतीय के साथ प्लोम्बियर्स समझौता किया।

iii. **तृतीय सोपान -** इस चरण में मेत्सिनी और गैरीबाल्डी ने महत्वपूर्ण कार्य किए। गैरीबाल्डी ने सिसली और नेपल्स पर अधिकार किया और रोम तथा वेनेशिया पर आक्रमण की योजना बनाई। इस दौरान, कावूर ने पोप के राज्य अम्ब्रिया और मार्चेज पर नियंत्रण प्राप्त किया।

गैरीबाल्डी ने नेपल्स और सिसली को सार्डीनिया के राजा को सौंप दिया, और मध्य इटली के राज्य पारमा, मोडेना और टस्कनी भी सार्डीनिया से मिल गए।

iv. **चतुर्थ सोपान -** अब केवल वेनेशिया और रोम का एकीकरण शेष था। 1866 में ऑस्ट्रिया और प्रशा के बीच युद्ध के दौरान विक्टर ने वेनेशिया को अपने साम्राज्य में मिला लिया। अंततः रोम पर आक्रमण करके विक्टर इमैनुअल ने उस पर अधिकार कर लिया। इस प्रकार 20 सितंबर, 1870 को इटली का राष्ट्रीय एकीकरण पूरा हुआ।

20. इटली के इस क्रांतिकारी का जन्म 1807 में जेनोआ में हुआ था ज्युसेपी मेत्सिनी एक इतालवी राजनेता, पत्रकार, इतालवी एकीकरण के कार्यकर्त्ता एवं इतालवी क्रांतिकारी आंदोलन के अगुआ भी थे। उन्नीसवीं सदी के मध्य में इटली सात राज्यों में विभाजित था। इन्ही के प्रयासों द्वारा भिन्न-भिन्न राज्यों के स्थान पर एक स्वतंत्र और एकीकृत इटली की स्थापना की गयी। यह कार्बोनारी गुप्त संगठन के सदस्य थे। जहाँ चौबीस वर्ष की आयु में लिगुरिया में क्रांति करने के कारण उन्हें बहिष्कृत कर दिया गया। इसके बाद उसने दो और भूमिगत संगठनों-मार्सेई में यंग इटली और बर्न में यंग यूरोप की स्थापना की। पोलैण्ड, फ्रांस, इटली और जर्मन राज्यों में समान विचार रखने वाले युवा इनके सदस्य थे। मेत्सिनी का विश्वास था कि ईश्वर की मर्जी के अनुसार राष्ट्र ही मनुष्यों की प्राकृतिक इकाई थी। अतः इटली छोटे राज्यों और प्रदेशो के पैबन्दों की तरह नहीं रह सकता। उसे जोड़ कर राष्ट्रों के व्यापक संगठन के अन्दर एकीकृत गणतंत्र बनाना ही था। यह एकीकरण ही इटली की मुक्ति का आधार हो सकता था। उसके इस मॉडल की देखा-देखी जर्मन, फ्रांस, पौलेण्ड और स्विटजरलैण्ड में गुप्त संगठन बनाए गए। मेत्सिनी द्वारा राजतंत्र का घोर विरोध करके और प्रजातात्रिक गणतंत्रों के अपने स्वप्न से मेत्सिनी ने रूढ़वादियों को हरा दिया। मैटरनिरव ने उसे हमारी "सामाजिक व्यवस्था का सबसे खतरनाक दुश्मन" बताया।

21. नेपोलियन की नीतियों जैसे समान कानून, कर व्यवस्था का सरलीकरण, माप और वजन की एकरूपता ने प्रशासन को प्रभावी बनाया।इन सुधारों से मध्य वर्ग को लाभ हुआ और उन्हें स्वतंत्रता तथा राष्ट्र की एकता की भावना महसूस हुई।दूसरी ओर, जब नेपोलियन ने अपने शासन को जबरदस्ती थोपना शुरू किया, तो लोगों में विदेशी नियंत्रण के विरुद्ध राष्ट्रवादी भावना जागी।इस प्रकार, नेपोलियन के सुधारों ने राष्ट्रवाद को दोनों रूपों में बढ़ावा दिया — प्रोत्साहन और प्रतिरोध के रूप में।